अनुबंध -1

आधार दर की गणना की विधि का उदाहरण

आधार दर = क + ख + ग + घ

क - जमाराशि/निधि की लागत = $डी_{लागत}$
(बेंचमार्क)

ख - सीआरआर तथा एसएलआर पर ऋणात्मक प्रभार =

$$\left[\left\{\frac{डी_{लागत} - (एसएलआर * टी_{आर})}{1-(सीआरआर + एसएलआर)}\right\} * 100\right] - डी_{लागत}$$

ग - अनाबंटनीय उपरिव्यय लागत =

$$\left[\frac{यू_{सी}}{डी_{पीएलवाई}}\right] * 100$$

घ - नेटवर्थ पर औसत आय =

$$\left[\left\{\frac{एनपी}{एनडब्ल्यू}\right\} * \left\{\frac{एनडब्ल्यू}{डी_{पीएलवाई}}\right\}\right] * 100$$

जहां

$डी_{लागत}$: जमाराशि /निधि की लागत

डी : कुल जमाराशि = मीयादी जमाराशि + चालू जमाराशि + बचत जमाराशि

$डी_{पीएलवाई}$: अभिनियोजनीय जमाराशि
= सीआरआर तथ एसएलआर शेष के रूप में अवरुद्ध जमाराशि का अंश घटाकर कुल जमाराशि अर्थात्
= डी * [1- (सीआरआर + एसएलआर)]

सीआरआर : आरक्षित नकदी निधि अनुपात

एसएलआर : सांविधिक चलनिधि अनुपात

टी $_{\text{आर}}$: 364 खजाना बिल दर

यू $_{\text{सी}}$: अनाबंटनीय उपरिव्यय लागत

एनपी : निवल लाभ

एन डब्ल्यू : नेटवर्थ = पूंजी + निर्बंध आरक्षित निधियां

सीआरआर तक एसएलआर पर ऋणात्मक प्रभार

$$\text{सीआरआरतथा एसएलआर पर ऋणात्मक प्रभार} = \left[\left(\frac{\text{डी}_{\text{लागत}} - (\text{एसएलआर} * \text{टी}_{\text{आर}})}{(1- (\text{सीआरआर} + \text{एसएलआर.})} \right) * 100 \right] - \text{डी}_{\text{लागत}}$$

सीआरआर तथा एसएलआर शेष पर ऋणात्मक प्रभार सीआरआर शेष पर आय शून्य होने तथा एसएलआर शेष पर आय (364 दिवसीय खजाना बिल दर के प्रयोग के आधार पर अनुमानित) जमाराशि की लागत से कम होने के कारण उत्पन्न होता है । सीआरआर तथा एसएलआर पर ऋणात्मक प्रभार की गणना तीन चरणों में की गयी है । पहले चरण में एसएलआर निवेश पर आय की गणना 364 दिवसीय खजाना बिलों का प्रयोग करते हुए की गयी है । दूसरे चरण में, प्रभावी लागत की गणना जमाराशि की लागत (एसएलआर निवेश पर आय के लिए समायोजित) तथा अभिनियोजनीय जमाराशि (सीआरआर तथा एसएलआर शेष के रूप में अवरुद्ध जमाराशि घटाकर कुल जमाराशि) का अनुपात (प्रतिशत के रूप में व्यक्त) लेकर की गयी है । तीसरे चरण में, एसएलआर तथा सीआरआर पर ऋणात्मक प्रभार की लागत की गणना प्रभावी लागत तथा जमाराशि की लागत का अंतर निकालकर की गयी है ।

अनाबंटनीय उपरिव्यय लागत

$$\text{अनाबंटनीय उपरिव्यय लागत} = \left(\frac{\text{यू}_{\text{सी}}}{\text{डी}_{\text{पीएलवाई}}} \right) * 100$$

अनाबंटनीय उपरिव्यय लागत की गणना अनाबंटित उपरिव्यय लागत तथा अभिनियोजनीय जमाराशि का अनुपात (प्रतिशत के रूप में व्यक्त) निकालकर की जाती है ।

नेटवर्थ पर औसत आय

$$\text{नेटवर्थ पर औसत आय} = \left[\left\{ \frac{\text{एनपी}}{\text{एनडब्ल्यू}} \right\} * \left\{ \frac{\text{एनडब्ल्यू}}{\text{डी}_{\text{पीएलवाई}}} \right\} \right] * 100$$

नेटवर्थ पर औसत आय की गणना निवल लाभ तथा नेटवर्थ के अनुपात और नेटवर्थ तथा अभिनियोजनीय जमाराशि के अनुपात के गुणनफल को प्रतिशत के रूप में व्यक्त कर की जाती है ।